रचना के आधार पर

1) रूढ़ शब्द :- → पेन, पेड़, पत्थर, ज्ञान इत्यादि।

2) यौगिक शब्द :- → संधि → उपसर्ग → प्रत्यय → समास → बहुव्रीहि

- संधि: विद्या + आलय — विद्यालय
- उपसर्ग: अनु + शासन — अनुशासन
- प्रत्यय: समाज + इक — सामाजिक
- समास: यथाशक्ति → शक्ति के अनुसार

3) योगरूढ़ शब्द :-

बहुव्रीहि समास के उदा.

दश + आनन = दशानन (रावण) — योगरूढ़

संधि / सन्धि

संयोग :- यदि परिवर्तन न हो।

परिभाषा :- वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार

अ + अ = आ

अन्त्य + अक्षरी = अन्त्याक्षरी ⇒ 'अन्ताक्षरी' ×

संधि के भेद / प्रकार = 03 (परिवर्तन)

1) स्वर संधि
2) व्यंजन संधि
3) विसर्ग संधि

<v> दीर्घ संधि :-

अ/आ + अ/आ = आ
इ/ई + इ/ई = ई
उ/ऊ + उ/ऊ = ऊ

ClassRoom Notes

इ/ई , उ/ऊ , ऋ + असमान स्वर
↓ य , व , र्

→ अति + इन्द्रिय
→ नदी + ईश
↓ दीर्घ

→ गति + अनुसार = गत्यनुसार (इ → य)

→ वधू + आगमन = वध्वागमन (ऊ → व)

→ भानु + उदय
– वधू + उत्सव
↓ दीर्घ

→ पितृ + अनुमति = पित्रनुमति (ऋ → र्)

पितृ + आज्ञा
पित्राज्ञा

इ ई
(1) य
आर्धा
→ + स्वर

→ नि, वि, अधि, अभि, प्रति, परि, अति

→ नार्युत्थान = नारी + उत्थान
→ नार्यौचित्य = नारी + औचित्य
→ उपर्युक्त = उपरि + उक्त
→ रीत्यनुसार = रीति + अनुसार
→ देव्यर्पण = देवी + अर्पण
→ स्त्र्युपयोगी = स्त्री + उपयोगी
→ सरस्वत्याराधना = सरस्वती + आराधना
→ अध्यादेश = अधि + आदेश

- व्यायाम = वि + आयाम
- व्यंजन = वि + अंजन
- व्यूह = वि + ऊह
- न्याय = नि + आय
- न्यून = नि + ऊन
- अध्याय = अधि + आय
- अध्यूढ़ा = अधि + ऊढ़ा
- अभ्यास = अभि + आस
- अभ्युत्थान = अभि + उत्थान
[अभि + उद् + स्थान]

- प्रत्याशा = प्रति + आशा
- प्रत्युत्तर = प्रति + उत्तर
- प्रत्यक्ष = प्रति + अक्षि
- पर्यावरण = परि + आवरण
- पर्यटन = परि + अटन
- पर्यन्त = परि + अन्त
- अत्यावश्यक = अति + आ०
- अत्यल्प = अति + अल्प
- अत्याधुनिक = अति + आधुनिक
(अधुना + इक)

→ वध्वागमन = वधू + आगमन
→ स्वागत = सु + आगत
→ स्वल्प = सु + अल्प
→ स्वच्छ = सु + अच्छ

↳ स्वेच्छा = स्व + इच्छा - गुण संधि
↳ स्वैच्छिक = स्व + ऐच्छिक - वृद्धि संधि
↳ स्वाभिमान = स्व + अभिमान - दीर्घ संधि

→ अन्वेषण = अनु + एषण
→ अन्वीक्षा = अनु + ईक्षा
→ अन्वीक्षण = अनु + ईक्षण

→ गुर्वृण = गुरु + ऋण
→ गुर्वादेश = गुरु + आदेश

- मात्राज्ञा = मातृ + आज्ञा
- पित्राज्ञा = पितृ + आज्ञा
- मात्रनुमति = मातृ + अनुमति
- पित्रादेश = पितृ + आदेश
- मात्रादेश = मातृ + आदेश
- धात्रंश = धातृ + अंश
- वक्तुद्बोधन = वक्तृ + उद्बोधन

भ्रात्रिच्छा = भ्रातृ + इच्छा

मात्रिच्छा

मातृ + इच्छा